तीसरे दिन भी देवी प्रतिमाओं का विसर्जन

भोपाल, 4 अक्टूबर. राजधानी भोपाल में शनिवार को भी तालाबों के घाटों पर बड़ी देवी प्रतिमाओं का विसर्जन शाम तक होता रहा. यहां पर क्रेन और पोकलेन के माध्यम से बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया, वहीं छोटी प्रतिमाओं को नगर निगम प्रशासन द्वारा बनाए गए कुंड में विसर्जित किया गया. देवी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए प्रशासन ने चार हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी विभिन्न घाटों पर तैनात किए थे.

महापौर ने किया विसर्जन कुंडों, घाटों का निरीक्षण

इधर, महापौर मालती राय ने शनिवार को खटलापुरा और रानी कमलापति घाटों और विसर्जन कुंडों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद प्रतिमाओं के अवशेष तत्काल बाहर निकलवाएं और सभी विसर्जन कुंडों/घाटों की तत्काल बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित कराकर कुंडों में नया पानी भरवाया जाए. महापौर राय ने छठपूजा स्थलों पर भी सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्व बेहतर ढंग से करने के निर्देश दिए.

व्यक्ति को सरल, संवेदनशील बनाती है भाषा

राज्यपाल ने प्रदान किए हिन्दीतर भाषी हिन्दी सेवी सम्मान

भोपाल, 4 अक्टूबर. राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भाषा एक संपूर्ण संस्कृति है. यह भावों की अभिव्यक्ति के साथ व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सहायक होती है. व्यक्ति को सरल, सहृदय और संवेदनशील बनाती है. राज्यपाल पटेल मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा आयोजित हिन्दीतर भाषी हिन्दी सेवी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे. इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न श्रेणियों के लिए प्रचार समिति द्वारा स्थापित पुरस्कारों से हिंदी लेखिका संघ की प्रांताध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े सहित लेखकों, प्रशासनिक अधिकारियों, हिन्दी सेवा साधकों और युवा साहित्यकारों को सम्मानित किया और बधाई दी. समारोह का आयोजन हिन्दी भवन में किया गया था.

हिंदी लेखिका संघ की प्रांताध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े को हिंदी सेवी पुरस्कार से सम्मानित करते राज्यपाल मंगुभाई पटेल.

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिन्दी की लोकप्रियता भारत के साथ संपूर्ण विश्व में बढ़ी है. मोदी जी जब विश्व मंचों पर हिंदी में अपनी बात रखते हैं तो सम्पूर्ण विश्व बड़े ध्यान से सुनता है. उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने भी हिन्दी विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे तकनीकी, वैज्ञानिक विषयों का हिन्दी में अध्ययन-अध्यापन की अनुकरणीय और सराहनीय पहल की है.

राज्यपाल पटेल ने सम्मानित लोगों और गैर हिंदी भाषियों से अनुरोध किया कि हिन्दी और अहिन्दी भाषियों के संवाद सूत्र बनकर, हिन्दी के प्रसार की भ्रामक शंकाओं और चिंताओं को दूर करने के प्रयासों का नेतृत्व करें. स्वागत उद्बोधन प्रचार समिति के संपादक और मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने दिया.

रघुनंदन शर्मा ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया. आभार समिति की उपाध्यक्ष डॉ रंजना अरगढ़े ने व्यक्त किया. कार्यक्रम में महेश सक्सेना, सम्मानित लेखक, साहित्यकार और उनके परिजन उपस्थित रहे.

बीएचईएल के दो अधिकारी सम्मानित

मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा आयोजित हिंदीतर भाषी हिंदी सेवी सम्मान वर्ष 2025 में राज्यपाल पटेल ने बीएचईएल, भोपाल के दो बंगला भाषी अधिकारियों गौतम मजूमदार, महाप्रबंधक (सीएमजी, पीएमजी, सीसी एवं डीटीजी) तथा जे. चटर्जी, महाप्रबंधक (हायड्रो) को स्मृति चिह्न, शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया. यह सम्मान उन्हें राजभाषा कार्यान्वयन, गहन तकनीकी क्षेत्रों तथा डिजिटलीकरण में हिंदी के उत्कृष्ट प्रयोग के लिए प्रदान किया गया. समारोह में बीएचईएल भोपाल से प्रबंधक (मासं.-रा.भा) पूनम साहू सहित बड़ी संख्या में हिंदीप्रेमी उपस्थित रहे.

शरद पूर्णिमा कल, बंटेगी खीर

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 4 अक्टूबर. इस वर्ष आश्विन मास की पूर्णिमा दो दिन तक रहेगी. ज्योतिषियों के अनुसार 6 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा और 7 अक्टूबर को स्नान-दान की पूर्णिमा रहेगी. इन दोनों दिनों में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना का महत्व है.

इस अवसर पर महिलाएं सुबह से ही मंदिरों या घरों के आंगन में तुलसी के पौधे की स्थापना कर उसकी पूजा करती हैं और शाम को चन्द्रमा को अर्घ्य देती हैं. पूजा की थाली में लड्डुओं पर तुलसी के पत्ते रखे जाते हैं और सत्यनारायण भगवान की कथा सुनाई जाती है. मान्यता है कि कम से कम सात कथाएं इस दिन सुनना शुभ माना जाता है. महिला सविता सिंह ने बताया कि शरद पूर्णिमा की पूजा में लड्डुओं का विशेष महत्व है.

> छह लड्डू बनाए जाते हैं. एक बाल गोपाल को, एक गर्भवती महिला को, एक सखी को, एक पति को, एक गौमाता को और एक लड्डू व्रत करने वाली महिला स्वयं लेती हैं. ये व्रत संतान प्राप्ति के लिए किया जाता है. इसके बाद प्रसाद आपस में बांटकर सभी लोग इस पावन पर्व की खुशियां साझा करते हैं. पंडित नित्यानंद ने बताया कि शरद पूर्णिमा की रात को भगवान कृष्ण ने गोपियों के साथ रास किया था. इसी रात चंद्रमा की किरणों से अमृत धरती पर बरसता है.

बैरागढ़ में 472 लोगों ने किया रक्तदान

संत निरंकारी सत्संग भवन में शिविर आयोजित

भोपाल, 4 अक्टूबर. संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा संत निरंकारी सत्संग भवन, स्काईलैंड गार्डन के पास संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़)में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया.

सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से फाउंडेशन के जोनल इंचार्ज अशोक जुनेजा एवं संयोजक महेश वीधानी के मार्गदर्शन में शनिवार को आयोजित शिविर में 472 लोगों ने रक्तदान किया. इसके अलावा मंगलवार को गर्ल्स कॉलेज में आयोजित शिविर में 33 छात्राओं ने रक्तदान किया था. इस प्रकार

505 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ. शनिवार को सुबह से ही रक्तदाताओं की लंबी कतारें लगी हुई थीं. इस दौरान निरंकारी मिशन के क्षेत्रीय संचालक अखिलेश यादव, क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

एक नजर में

प्रदोषकाल में मन महेश स्वरूप में सजे बाबा बटेश्वर

भोपाल. श्रीबड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा बटेश्वर का काले तिल दूध एवं पंचामृत से अभिषेक कर शनि शांति के लिए प्रार्थना की गई. समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया कि शनिवार को प्रदोषकाल में बाबा बटेश्वर का मन महेश स्वरूप में श्रृंगार कर रात्रि में महा आरती की गई. इस अवसर पर आकाश अग्रवाल, अभिषेक लाला, केशव फुलवानी, मोनू राठौर, प्रकाश मालवीय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे.

मोहन मालवीय अध्यक्ष, चेतन वर्मा बने उपाध्यक्ष

भोपाल. मालवांचल मालवीय सेन समाज की प्रादेशिक बैठक में नई कार्यकारिणी घोषित की गई. नई कार्यकारिणी में भोपाल के मोहन मालवीय को अध्यक्ष चुना गया, जबकि चेतन वर्मा को उपाध्यक्ष ,मोहन लाल सेन को सचिव, भगवान सिंह को कोषाध्यक्ष, द्वारका प्रसाद सेन को संयुक्त सचिव और संतोष सेन व विष्णु प्रसाद को सदस्य नियुक्त किया गया है. अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद मोहन मालवीय ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य समाज के उत्थान के लिए कार्य करना है और उज्जैन में समाज की धर्मशाला का जीर्णोद्धार कराना है. उन्होंने बताया कि मालवीय सेन समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को प्रगति की मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास भी किए जाएंगे. इसके अलावा समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन व विवाह सम्मेलन जैसे प्रमुख सामाजिक कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे.

जीटीबी मृगनयनी एम्पोरियम में साड़ी उत्सव 7 अक्टूबर से

भोपाल. मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की ओर से 7 अक्टूबर से न्यू मार्केट स्थित जीटीबी मृगनयनी एम्पोरियम में किया जा रहा है. करवाचौथ के उपलक्ष्य में महिलाओं के लिए समर्पित उत्सव 12 अक्टूबर तक चलेगा. इस उत्सव में पारंपरिक बुनाई की बारीकियों और हाथों की मेहनत से सजी चंदेरी और महेश्वरी साड़ियों का अनूठा संग्रह प्रदर्शित किया जाएगा. एम्पोरियम के प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि चंदेरी साड़ी का हर धागा अपनी संस्कृति की कहानी प्रदेश की समृद्ध विरासत को बयां करता है.

महापौर ने विद्यार्थियों को प्रदान किए प्रमाण पत्र

भोपाल, 4 अक्टूबर. महापौर मालती राय ने शनिवार को आईटीआई में आयोजित दीक्षांत समारोह में कौशल विकास योजना के तहत आईटीआई के विभिन्न ट्रेडों में सफलता अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए.

आईटीआई में दीक्षांत समारोह आयोजित

इस अवसर पर आईटीआई प्रबंधन द्वारा महापौर सहित अन्य अतिथियों का सम्मान स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया. महापौर राय ने सफल प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं. इस अवसर पर प्राचार्य श्रीकांत गोलाईत के अलावा उमा शर्मा, एसपीएस सेंगर, दिव्या अत्रे सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापकगण, विद्यार्थी व गणमान्य नागरिक मौजूद थे.

दूसरों के लिए जाल बुना, खुद उसी में उलझा

सिंधी नाट्य समारोह में सेण जो टिफिन नाटक का मंचन

भोपाल, 4 अक्टूबर. भारत भवन के अंतरंग सभागार में शनिवार को तृतीय अखिल भारतीय सिंधी नाट्य समारोह का शुभारंभ हुआ. रंग, हास्य और व्यंग्य की अद्भुत छटा बिखेरता यह दो दिवसीय आयोजन मध्यप्रदेश सिंधी अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद एवं भारत भवन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ.

कार्यक्रम का संयोजन सिंधी रंग समूह, भोपाल और मनोहर अगनानी एवं परिवार द्वारा किया गया.

> नाट्य समारोह में सेण जो टिफिन नाटक की प्रस्तुति ज्योति कला संस्थान, जयपुर के कलाकारों ने दी. नाटक में दिखाया गया कि रेलवे स्टेशन पर फूड प्लाजा, ऑनलाइन फूड डिलीवरी सुविधाएं हैं तो फिर खासतौर पर समधी से टिफिन मंगवाना क्यों. कहानी एक ऐसे व्यक्ति पर केंद्रित है .यह स्थिति तब हास्यास्पद बन जाती है जब वह खुद उसी जाल में उलझ जाता है जिसे वह वर्षों से दूसरों के लिए बुन रहा था.

वो भूली दास्तां गाने ने दिला दी लताजी की याद

लता दीदी के मदन भैया कार्यक्रम में गूंजे मधुर स्वर

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 4 अक्टूबर. सुरों की महफिल में लता दीदी के मदन भैया कार्यक्रम की गूंज शनिवार शाम दर्शकों के दिल में उतर आई. रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में कला वृंद सर्व कल्याण समिति द्वारा संगीत सम्राट मदन मोहन और स्वर कोकिला भारतरत्न लता मंगेशकर को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया.

शाम की बारिश की तेज बूंदें भी लता दीदी और मदन के गानों को सुनने से दर्शकों को रोक नहीं पाई. स्वरांजलि के शुरू होने से पहले ही सभागार खचाखच भर चुका था. सीढ़ियों पर बैठकर श्रोताओं ने संगीत का आनंद लिया. कार्यक्रम में डॉ अश्विना रांगणेकर ने लता जी और मदन मोहन के भाई बहन बनने का रोचक किस्सा सुनाकर सबका दिल जीत लिया. कार्यक्रम में कुल सात गायिकाओं सौम्या शर्मा, राधिका मिश्रा, प्रतिमा गोस्वामी, आर्या पुरोहित, मान्या कोरे, उपासना सारंग त्यागी और आसावरी रांगणेकर ने नैना बरसे रिमझिम रिमझिम, वो चुप रहें तो मेरे दिल के दाग जलते हैं, यूं हसरतों के दाग तेरी आंखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है, और वो भूली दास्तां जैसे गीत सुनाकर लताजी की याद दिला दी. सभी ने मिलकर लग जा गले गीत से कार्यक्रम का समापन किया.

आयोजन दो दिवसीय शब्द उत्सव 2025 के शुभारंभ पर पूर्व अपर महानिदेशक राजशेखर व्यास ने कहा-

आकाशवाणी हृदय की धड़कन, दूरदर्शन उसकी मुखर अभिव्यक्ति

- कार्यक्रम में सरोद वादन की हुई प्रस्तुति
- लेखक प्रियदर्शन ने भाषा के गहन ज्ञान पर दिया जोर

भोपाल, 4 अक्टूबर. मायाराम सुरजन स्मृति भवन में दो दिवसीय शब्द उत्सव 2025 की शुरुआत शनिवार को हुई. उद्घाटन सत्र में प्रदेशभर से आए साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया. दीप प्रज्वलन के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसकी अध्यक्षता छत्तीसगढ़ हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष रवि श्रीवास्तव ने की.

मुख्य अतिथि पूर्व अपर महानिदेशक दूरदर्शन राजशेखर व्यास रहे. दूसरे सत्र में चर्चित लेखक प्रियदर्शन ने 'मीडिया की भाषा' विषय पर कहा कि आज मीडिया की भाषा में गिरावट आ रही है, जबकि इसका उद्देश्य समाज को जागरूक करना होना चाहिए. उन्होंने भाषा के गहन ज्ञान पर बल दिया.

'दूरदर्शन और आकाशवाणी का हिंदी साहित्य संसार' विषय पर राजशेखर व्यास ने कहा कि आकाशवाणी कल्पना को जन्म देता है और दूरदर्शन उसे साकार करता है. उनके अनुसार आकाशवाणी हृदय की धड़कन है तो दूरदर्शन उसकी मुखर अभिव्यक्ति. चौथे सत्र में साहित्यकार विजय बहादुर सिंह ने 'भारत और उसकी ज्ञान परंपरा' पर वक्तव्य देते हुए कहा कि वेद केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि गणित और विज्ञान का भी भंडार हैं.

> उन्होंने कहा कि हमारे ऋषियों ने ब्रह्मांड का प्रत्यक्ष साक्षात्कार किया है. 'दुष्यंत के बगैर 50 बरस' विषय पर प्रो. इकबाल मसूद, अरुणाभ सौरभ व डॉ. रेखा कस्तवार ने चर्चा की. दिनभर चली प्रदर्शनी, सरोद वादन और शाम की 'काव्य संध्या' ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया. 40 से अधिक कवियों ने कविता पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया.

बच्चों को दिलाया आतिशबाजी से दूर रहने का संकल्प

भोपाल, 4 अक्टूबर. जैन समाज की अखिल भारतीय महिला परिषद कोहेफिजा शाखा पद्मावती संभाग के द्वारा दिगंबर जैन स्कूल लालघाटी में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, अहिंसा और जीव दया की दृष्टि से आतिशबाजी से दीपावली पर दूर रहने का संकल्प दिलाया गया.

परिषद की अध्यक्ष निलेश जैन ने बताया इस अवसर पर टेबल चेयर के साथ सार्थक दीपावली मनाने के लिए बच्चों को मिट्टी के दीये, मोमबत्ती और शैक्षणिक सामग्री भी प्रदान की गई. इस अवसर पर प्रांतीय सहसचिव मीना पवैया, सांस्कृतिक सचिव प्रमिला भंडारी, विनीता सिंघई, मीना, मंजू जैन, शाखा सचिव तृप्ति जैन मौजूद थीं.